

24/3/21

पत्रावली ⁴ जेच सुई । प्राणी अधिक उप
आपणी व लमण आस ताचीरु प्राला
स्येद उपरिंत पत्रावली विना करि
मिहल विना प्राणी अधिक वी प्राणी
पत्रा 136 LRAए एर बरत सुगी
गई प्राणी अधिक का प्राणीक पत्र
136 LRAए एकीक विना पाता
पत्रावली केकर शुभ होकर
दाखिल इतर ही गळ्या हे का हो

